सूरत गढ़ का फार्म

*१२५. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सूरतगढ़ के सरकारी फार्म पर अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) कितने एकड़ भूमि में खेती हो रही है, किस किस चीज की खेती की जा रही है; प्रति एकड़ कितना उत्पादन और कितना खर्च होता है ;

(ग) रूस से अब तक कितनी सहायता मिल चुकी है और सरकार अपनी ओर से कितना खर्च कर चुकी है ; और

(घ) फार्म से अब तक कितनी आय हो चुकी है ?

t[FARM AT SURATGARH

•125. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN; Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the progress so far made in the Government Farm, Suratgarh;

(b) the acreage of land under cultivation, the crops which are being cultivated, the production and the expenditure per acre;

(c) the amount of assistance so far received from Russia and the amount spent by Government themselves; and

(d) the income so far derived from the farm?]

†कृषि उपमंत्री (श्री एम० वी० कृष्णप्पा): (क) से (घ) सभा की टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ५, अनुपत्र सख्या ११]

•{•[THE DEPUTY MINISTER OP AGRICULTURE (SHRI M. V. KRISHNAPPA): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the Sabha. *[See* Appendix XXV, An-nexure, No. 11.]

f[ ]English translation.

श्री नवाबसिंह चौहान : इस विवरण के आरम्भ में जहां पैदावार का ब्यौरा दिया हुआ है उसमें गेहूं की पैदावार १३ˑ१ मन दिखायी है और ग्राम (चना) की पैदावार ४ˑ६ है । क्या आपके फार्म पर जो पैदावार हो रही है वह उस एवरेज पैदावार से जो किसान कर लेते हैं, कम नहीं है ? अगर कम है तो इसका सबब क्या है ?

श्री एम० वी० कृष्णप्पा : यह फार्म तो अभी शुरू किया गया है । दो, तीन साल बाद इसकी पैदावार में कम खर्चा होने लगेगा । अभी इसी साल में पैदावार ज्यादा हुई है और इसी तरह पैदावार बढ़ती रही तो आखिर में हमारा खर्चा भी कम हो जायगा ।

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरा सवाल खर्चा कम होने का नहीं है । मेरा सवाल प्रोडक्शन के बारे में है । आपके पास पानी है, खाद है । दो या तीन साल का सवाल नहीं है । जब आपके पास साधन हैं तब १३ˑ१ मन प्रति एकड़ तो गेहूं का प्रोडक्शन है और ४ˑ६ ग्राम का है । जो कि एवरेज किसान पैदा कर लेता है । आपके यहां उससे भी कम है । इसका क्या सबब है ?

श्री एम० वी० कृष्णप्पा : इसका कारण यह है कि जहां पर यह फार्म है वह रेगिस्तानी इलाका है, वहां पानी की कमी है और इरीगेशन भी नहीं है । दूसरी जगह, इन चीजों के होने की वजह से ज्यादा पैदावार होती है । इस जगह राजस्थान में डेजर्ट होने से किसान ज्यादा प्रोडक्शन नहीं कर सकते । इसलिये राजस्थान में जो पैदावार किसान कर सकता है वह और जगहों के मुकाबिले में ज्यादा नहीं होती ।

SHRI H. V. TRIPATHI; May I know the capital expenditure on this farm as well as the recurring expenditure for the last two years?

SHRI M. V. KRISHNAPPA: Sir, this is a farm which has been started with the machinery given by the Russian Government and they have given the machinery worth about Rs. 75 lakhs and we have spent in this in 2 J years nearly Rs. 38 lakhs, both of revenue and capital expenditure.

श्री नवाब सिंह चौहान : इस फार्म के भीतर कितने रशियन्स काम कर रहे हैं और कितने हिन्दुस्तानी हैं और क्या मैं यह समझ लूं कि यह फार्म मुकम्मल तरीके पर हिन्दुस्तानियों द्वारा चलाया जा रहा है ?

SHRI M. V. KRISHNAPPA: There is only one Russian expert there to train our people in handling this machinery because the Russian machinery is new to this country. Otherwise, if it had been English or American machinery, it would not have required even that. Our men themselves would have run this machine because it is not a new type of machinery. There is only one Russian expert to guide us.

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: May I know if some very useful experiments about dry farming are being made here?

SHRI M. V. KRISHNAPPA: At present, most of it is dry farming. We will get irrigation only after three or four years when the Bhakra-Nangal Dam will be ready.

SHRI JASWANT SINGH: It was difficult for me to follow the high-flown Hindi of the Hon. Member. From what I could follow, I would like to know from the hon. Minister what he meant by saying that Rajasthan farmer does not produce much. Next door to it is the Ganga-nagar area which can compare most favourably with any part of the country. On what basis did he say that the Rajasthani ...

SHRI M. V. KRISHNAPPA: When I said, that it was more comparable to, or the per acre yield was better than, the neighbouripg area, I did not mean the Ganganagar area where there is an assured and perennial water supply. Here, in Suratgarh, if you take the per acre yield of a farmer, it is better than the yield there. That is what I meant.

SHRI A. P. JAIN: Out of 30,000 acres which have been taken over by this farm, as many as 20,000 or 23,000 acres were lying uncultivated and there are large patches of land here which farmers do not consider worthwhile to cultivate and therefore these results are more favourable as compared to what was made round about this area.

इन्टरनेशनल यूनियन आफ आफीशियल ट्रैविल ऑर्गेनाइजेशन्स की विशेष समिति द्वारा बनाया गया टूरिस्ट चार्टर

*१२६. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या परिवहन तथा सचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि फरवरी, १९५९ में दिल्ली में हुई इंटरनेशनल यूनियन आफ आफीशियल ट्रैविल ऑर्गेनाइजेशन्स की विशेष समिति की बैठक में जो टूरिस्ट चार्टर बनाया गया था उसकी मुख्य सिफारिशें क्या-क्या हैं और सरकार ने उन पर इस समय तक क्या कार्यवाही की है ?

•{•[TOURIST CHARTER DRAWN BY THK SPECIAL COMMITTEE OF INTERNATIONAL UNION OF OFFICIAL TRAVEL ORGANISATIONS

♦126. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state the main recommendations contained in the tourist charter drawn at the meeting of the special committee of the International Union of Official Travel Organisations held in February, 1959 in Delhi and the action so far taken by Government on them?]

f[ ] English translation.